

Dr.Raman Kumar Thakur

Assistant professor (Guest) Department of Economics ,D.B.College Jaynagar madhubani,
L.N.M.U.Darbhanga

Class:-B.A. Part-2(Hons)Paper-3

Date:-29 April 2020

" भारत में राष्ट्रीय आय की धीमी वृद्धि के कारण"(Causes of Slow Growth Of National Income in india)

:- भारत में राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय कम होने के बहुत से कारण हैं जिनका मोटे तौर पर तीन भागों में बांट कर अध्ययन किया जा सकता है जो इस प्रकार से हैं :- * आर्थिक कारण(Economic Causes):-

- 1) कृषि पर अत्यधिक निर्भरता(Excessive Dependence on Agriculture):-भारत की राष्ट्रीय आय कम होने का एक प्रमुख कारण कृषि पर अत्यधिक निर्भरता है चूंकी कृषि पूर्णतया प्रकृति पर निर्भर रहती है और दुर्भाग्यवश यदि मानसून असफल हो जाता है तो भारतीय कृषि भी विफल हो जाती है ।फलतः राष्ट्रीय आय में भारी कमी हो जाती है।
- 2) औद्योगिकरण का अभाव (Lack of industrialization):- भारत के निर्धनता का एक प्रमुख कारण औद्योगिकरण का अभाव है और यहां आधुनिक ढंग के आधारभूत बड़े उद्योगों का अभाव है यही नहीं उपभोक्ता उद्योगों का भी पूर्ण विकास नहीं हो पाया है इसी कारण भारत की राष्ट्रीय आय कम है।
- 3) पूंजी निर्माण की कमी लैक ऑफ कैपिटल फॉर्मेशन पूंजी निर्माण की दृष्टि से भारत में तीन प्रकार की कमी पाई जाती है पहला-यहां राष्ट्रीय आय कम है । दूसरा - बचत कम है । तीसरा- जनसंख्या तुलनात्मक रूप से अधिक है। इन तीनों बातों का संयुक्त परिणाम यह है कि यहां पूंजी निर्माण की दर कम है।पूंजी निर्माण की दर कम होने के कारण भारत में आर्थिक विकास की दर कम है। फलतः राष्ट्रीय आय कम है।
- 4) आर्थिक निर्माण संरचना का अभाव भारत में आर्थिक विकास के लिए आवश्यक आर्थिक संरचना अर्थात रेलवे, सड़क, बिजली, आदि का अभाव है। इनके अभाव में देश का आर्थिक विकास सुचारु रूप से नहीं हो पाता इसलिए राष्ट्रीय आय कम है
- 5) योग साहसी का अभाव निशा की आर्थिक विकास के क्षेत्र में साहसी वर्ग अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है साहसी वर्ग ही निर्जीव साधनों को सक्रिय शक्ति में बदलता है और औद्योगिक अवसरों का पता लगाकर उनसे लाभ उठाने के लिए जोखिम उठाता है परंतु भारत में आर्थिक सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण इस प्रकार बना रहा है कि औद्योगिक नेताओं एवं साहसीयो का अभाव रहा है। जिससे देश में पर्याप्त उद्योगों का विकास नहीं हो पाया और देश की राष्ट्रीय आय कम है।
- 6) जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि:- भारत की जनसंख्या पिछले कई वर्षों से तीव्र गति से बढ़ रही हैं पंचवर्षीय योजनाओं के लागू होने से देश की राष्ट्रीय आय में जो थोड़ी वृद्धि हुई भी है वह जनसंख्या वृद्धि के कारण प्रति व्यक्ति औसत आय में कोई विशेष वृद्धि नहीं कर पाई, अतः पिछले 56 वर्षों से राष्ट्रीय आय में तो वृद्धि हुई परंतु प्रति व्यक्ति वास्तविक आय में बहुत कम वृद्धि हुई है।
- 7) राष्ट्रीय आय का असमान वितरण:- देश में राष्ट्रीय आय का वितरण बहुत ही असमान है भारत सरकार की रणनीति देश में धन के इस असमान वितरण को और अधिक प्रोत्साहन प्रदान कर रही है

- 8) निम्न उत्पादकता:- भारत में प्रति श्रमिक उत्पादकता अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है फल स्वरूप प्रति व्यक्ति आय भी कम है
- 9) बेकारी तथा अर्ध बेकारी:- भारत में बेकारी तथा अर्ध बेकारी एक प्रमुख विशेषता है यहां जनसंख्या का अत्यधिक दबाव है की बहुलता है और पूंजीगत साधनों का अभाव है परिणाम स्वरूप समस्त कार्यकारी जनता को लाभकारी रोजगार दिलाना कठिन हो गया है और प्रति व्यक्ति उत्पादन बहुत कम है।
- सामाजिक कारण :- भारत में अनेक ऐसे सामाजिक रूढ़ियां और परिस्थितियां उपस्थित हैं जिनके कारण विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो जाती है जैसे लोग जातिवाद धर्मवाद और पुरानी परंपरागत रूढ़ियों में इतने बंधे हैं कि वह नई परिस्थितियों को नहीं अपनाना चाहते, इसलिए उनमें गतिशीलता का अभाव है जिससे कई प्रकार के उद्योगों के विकास में बाधा उत्पन्न होती है।

राजनीतिक एवं प्रशासनिक कारण :- भारत दीर्घकाल तक विदेशी शासकों के हाथों में रहा है जिसके कारण भी हमारे देश का आर्थिक विकास नहीं हो सका! और प्रति व्यक्ति आय कम रही है जैसे- ब्रिटिश शासकों की नीति स्वार्थ पूर्ण थी भारत से कच्चा माल खरीदना और ब्रिटेन के निर्मित माल को बेचना जिससे भारत में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है आर्थिक विकास में राजनीतिक स्थिरता का भी महत्व है क्योंकि शासन सत्ता में स्थिरता रहने से विकास के लंबे अरसे में चलने वाली योजनाएं कार्यान्वित की जा सकती हैं। परंतु भारत में गरीबी व अशिक्षा के कारण लोग राजनीतिक अधिकारों के बारे में अधिक सजग नहीं रहे ,और जनता का विभिन्न राजनीतिक दलों में दीर्घकालीन विश्वास नहीं है इसलिए शासन सत्ता में परिवर्तन की संभावनाएं बनी रहती है जो आर्थिक विकास में बाधक है और निम्न राष्ट्रीय आय के लिए उत्तरदायी है।